Deccan Education Society's
FERGUSSON COLLEGE (AUTONOMOUS), PUNE

Syllabus

for

S.Y.B.A. (Subject - Hindi)

[Pattern 2019]

(B.A. Semester-III and Semester-IV)

From Academic Year

2020-21

Fergusson College (Autonomous), Pune

Structure of S.Y.B.A. – Faculty of Arts and Humanities

Under CBCS pattern (2019-20) ***effective from June 2020***

Equivalence Syllabus for Department of Hindi

SY BA	New CBCS Pattern	Old /Existing Pattern
Sem III	DSE 1A (4 credits) **HIN2301:** Title: हिंदी भाषा का विकास**-I**	Special Paper 1 Title: ……
	DSE 2A (4 credits) **HIN2302**: Title: उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य- I	Special Paper 2 Title: ……
	SEC 1A (3 credits) **HIN2303**: Title: कहानी,काव्य एवं लेखन- I	General Paper 2 Title: ……
	SEC 2A (2 credits) (Value/Skill Based) **HIN2304**: Title: प्रयोजनमूलक हिंदी-I	----

Note: SEC 1A is CC'1 or 2' (General paper for other department students)

SY BA	New CBCS Pattern	Old Existing Pattern
Sem IV	DSE 1B (4 credits) **HIN2401**: Title: हिंदी भाषा का विकास- II	Special Paper 1 Title: ……
	DSE 2B (4 credits) **HIN2402**: Title: उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य- II	Special Paper 2 Title: ……
	SEC 1B (3 credits)	General Paper 2

	HIN2403: Title: कहानी,काव्य एवं लेखन- II	Title: ……
	SEC 2B (2 credits) (Value/Skill Based/ Field Work of SEC-1B) **HIN2404**: Title: प्रयोजनमूलक हिंदी-I	----

Note: SEC 1B is CC-'1 or 2' (General paper for other department students)

S.Y. B.A. Semester III

Subject: हिंदी

DSE 1A - Special Paper 1(HIN2301):Paper title: हिंदी भाषा का विकास-I

[Credits-4]

Course Outcomes

At the end of this course, students will be able to

CO1 भाषा की संरचना को छात्र समझते हैं|

CO2 छात्रों को भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ तथा भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त करता है।

CO3 छात्रों को हिंदी की बोलियों तथा भाषा विकास के प्रमुख वादों से परिचित हो जाते हैं।

CO4 छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन का दृष्टिकोन निर्माण होता है।

Unit	Details	Lectures
I	**भाषा की परिभाषाएँ :** भाषा का स्वरूप, भाषा की विशेषताएँ। भाषा के विविध रूप, बोली, भाषा, परिनिष्ठित भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा आदि का सामान्य परिचय।	[12]
II	**हिंदी भाषा की उत्पत्ति और विकास का सामान्य परिचय :** हिंदी बोली वर्ग - राजस्थानी, पश्चिमी, पूर्वी, बिहारी, पहाड़ी का सामान्य परिचय, हिंदी की उपबोलियों का सामान्य परिचय (भौगोलिक क्षेत्र, साहित्य, विशेषताएँ आदि की जानकारी अपेक्षित)	[12]

III	**हिंदी का शब्द भंडार :** उद्गम के आधार पर हिंदी के तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी आगत शब्दों का परिचय।	**[12]**
IV	**लिपिविज्ञान :** नागरी लिपि का परिचय, वैज्ञानिक लिपि के रूप में नागरी लिपि की विशेषताएँ, नागरी लिपि में सुधार की आवश्यकता।	**[12]**

Books-

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. हिंदी राष्ट्रभाषा : राजभाषा : जनभाषा - डॉ. शंकर दयाल सिंह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी भाषा, लिपि व साहित्य - डॉ. बलभीमराज गोरे, विकास प्रकाशन, कानपुर।
5. हिंदी रूप रचना - संपा. आ. जयेंद्र त्रिवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

S.Y. B.A. Semester III

Subject: हिंदी
DSE 2A- Special Paper 2(HIN2302): Paper title: उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य- I

[Credits-4]

Course Outcomes
At the end of this course, students will be able to

CO1 हिंदी की उपन्यास विधा से छात्र अवगत होता है और छात्र उपन्यास के तत्वों का परिचय प्राप्त कर उसे समझते हैं।

CO2 उपन्यास के अर्थ, स्वरूप को स्पष्ट रूप में समझता है तथा विभिन्न मानदंडों के आधार पर छात्रों में उपन्यास के समीक्षण की क्षमता निर्माण हो जाती है।

CO3 मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान और विविध आयामों का परिचय होता है।

CO4 मध्ययुग के काव्य प्रकार दोहे, पद आदि के काव्य सौंदर्य और शिल्प से परिचित हो जाते हैं।

Unit	Details	Lectures
I	• त्यागपत्र (सामाजिक उपन्यास) – जैनेंद्र	[24]
II	• कबीर : दोहे (मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे)	[12]
III	• तुलसीदास : कवितावली पद (मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे)	[12]

Books-

1. त्यागपत्र – जैनेंद्र , हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, मुंबई |
2. मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे, प्रकाशक : दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर
3. मध्यकालीन हिंदी काव्य – सं. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
4. कबीर ग्रंथावली - संपा. श्यामसुंदर दास, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर।
5. दर्शन, साहित्य और समाज - शिवकुमार शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. भाषाविज्ञान और एवं भाषाशास्त्र- डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

S.Y. B.A. Semester III

Subject: हिंदी

SEC 1A - General Paper (HIN2303): Paper title कहानी,काव्य एवं लेखन- ।

[Credits-3]

Course Outcomes

At the end of this course, students will be able to

CO1 कहानी एवं काव्य अध्ययन द्वारा मूल्यों की स्थापना में सहायता प्राप्त होती हैं | संवेदनशील समाज निर्माण में साहित्य के महत्व को छात्र समझते हैं|

CO2 कहानी एवं काव्य के उद्भव और विकास यात्रा को समझ लेते हैं| हिंदी के प्रमुख रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होते हैं|

CO3 कविता के माध्यम से विवेचन और विश्लेषण के बाद वर्तमान की प्रासंगिता पर विचार करते हैं|

CO4 छात्र टिप्पण, पल्लवन,संक्षेपण और पत्रलेखन के स्वरूप और व्याप्ति को समझ लेते हैं|

Unit	Details	Lectures
I	1.1 वापसी (कहानी) - उषा प्रियवंदा 1.2 नमक का दारोगा (कहानी) – प्रेमचंद 1.3 ग्राम (कहानी) – जयशंकर प्रसाद	[12]
II	2.1 जुही की कली – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' 2.2 गाव के लड़के – सुमित्रानंदन पंत 2.3 बौनों की दुनिया – गिरजाकुमार माथुर	[12]
III	3.1 सरजू भैया (रेखाचित्र) - रामवृक्ष बेनीपुरी 3.2 लाल पान की बेगम - फणीश्वरनाथ रेणु 3.3 वसंत का अग्रदूत (संस्मरण) - अज्ञेय	[12]

IV	4.1 टिप्पण (नोटिंग), पल्लवन, संक्षेपण 4.2 औपचारिक पत्रलेखन	**[12]**

Books-

1. कथाधारा – संपा. डॉ. अनिता नेरे, डॉ. अशोक धुलधुले, जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

2. काव्यायन – संपा. डॉ. सुभाष तलेकर, डॉ. सुरेश साळुंखे, जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

३. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.

4. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद।

S.Y. B.A. Semester III

Subject: हिंदी

SEC 2A - Value/Skill Based Paper (HIN2304): Paper title: प्रयोजनमूलक हिंदी-I

[Credits-2]

Course Outcomes

At the end of this course, students will be able to

CO1 छात्र अनुवाद के अर्थ और स्वरूप को समझता है |

CO2 वर्तमान समय में अनुवाद के महत्व को जानने लगता है|

CO3 अनुवाद कार्य की ओर विद्यार्थी उन्मुख हो जाता है |

CO4 छात्र में अनुवाद के प्रति रूचि निर्माण हो जाती है|

Unit	Details	Lectures
I	➢ अनुवाद का अर्थ ,स्वरूप एवं प्रकृति| अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व | बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक – सांस्कृतिक अदान-प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका |	12

Books-

1. अनुवाद की रुपरेखा- डॉ. सुरेशकुमार

2. अनुवाद कला - डॉ. भोलानाथ तिवारी

3. प्रयोजनमूलक हिंदी- प्रो. माधव सोनटक्के

4. प्रयोजनमूलक हिंदी और कार्यालयीन हिंदी- कृष्णकुमार गोस्वामी

S.Y. B.A. Semester IV

Subject: हिंदी

DSE 1B - Special Paper 1(HIN2401): Paper title हिंदी भाषा का विकास-II

[Credits-4]

Course Outcomes

At the end of this course, students will be able to

CO1 छात्रों को भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ तथा भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त होती है।

CO2 छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण हो जाती है तथा बोलियों तथा भाषा विकास के प्रमुख वादों से परिचित होते हैं।

CO3 भाषा विज्ञान के अंगों तथा भाषाविज्ञान की शाखाओं से अवगत होते हैं और भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानों से संबंध विशद करते हैं|

CO4 राष्ट्रभाषा के प्रचार –प्रसार के महत्व को छात्र समझते हैं|

Unit	Details	Lectures
I	**भाषा विज्ञान :** भाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाविज्ञान के अंग - ध्वनि विज्ञान, पदविज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, भाषाविज्ञान की शाखाएँ- वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, तुलनात्मक भाषाविज्ञान।	[12]
II	**ध्वनिविज्ञान :** ध्वनिविज्ञान का परिचय, ध्वनियंत्र और उनकी कार्यप्रणालियाँ, ध्वनियों के भेद - स्वर और व्यंजन, स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण (स्थान और प्रयत्न के आधार पर)	[12]
III	**पद विज्ञान :** पद की परिभाषा, शब्द और पद, संबंध तत्व, संबंध तत्वों के प्रकार (शब्द स्थान, शून्य संबंध तत्व, स्वतंत्र शब्द, ध्वनि प्रतिस्थापन, प्रत्यय आदि हिंदी में प्रयुक्त होने वाले संबंध तत्वों के प्रकार) **वाक्यविज्ञान :** वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्य के भेद (रचना के आधार पर, अर्थ के आधार पर, क्रिया के आधार पर)	[12]

	अर्थविज्ञान : अर्थ की परिभाषा, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण।	
IV	**राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रसार करनेवाली संस्थाओं का परिचय :** 1) काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी 2) हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 3) दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास (चेन्नई) 4) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा 5) महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे	**[12]**

Books-

1. भाषा और भाषा विज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर।

2. राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

3. हिंदी भाषा की शब्द-संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. व्यवहारोपयोगी एवं कामकाजी हंदी - प्रा. अनंत केदारे, साहित्यायन प्रकाशन, कानपुर।

5. भाषाविज्ञान और भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

S.Y. B.A. Semester IV

Subject: हिंदी
DSE 2B - Special Paper 2(HIN2402): Paper title उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य- II

[Credits-4]

Course Outcomes
At the end of this course, students will be able to

CO1 हिंदी नाटक के अर्थ और स्वरूप से परिचित होते हैं।

CO2 हिंदी नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों नाट्य समीक्षण करते हैं। विद्यार्थियों में नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित होती है।

CO3 मध्ययुगीन कवियों के योगदान के विविध आयामों को छात्र समझते हैं। रीतिकालीन काव्य प्रवृतियों से विद्यार्थी अवगत हो जाते हैं|

CO4 रीतिकालीन कवियों साहित्य के माध्यम से व्यवहार ज्ञान प्राप्त होता है|

Unit	Details	Lectures
I	• आषाढ़ का एक दिन (नाटक) - मोहन राकेश	[24]
II	• रहीम के दोहे (मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे)	[12]
III	• मीरा के पद (मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे)	[12]

Books-

1. आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश
2. मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे, प्रकाशक : दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर
3. हिंदी नाटक में आधुनिक प्रवृत्तियाँ - डॉ. दमयंती श्रीवास्तव, राका प्रकाशन, इलाहाबाद
4. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच - डॉ. नरेंद्र मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. रहीम ग्रंथावली - डॉ. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

S.Y. B.A. Semester IV

Subject: हिंदी

SEC 1B - General Paper (HIN2403): Paper title कहानी,काव्य एवं लेखन- II

[Credits-3]

Course Outcomes

At the end of this course, students will be able to

CO1 लेखक एवं कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होते हैं ।

CO2 हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेताएओं से समझते हैं। काव्य के भाव एवं शिल्पगत सौंदर्य का आस्वादन करना जानते हैं।

CO3 कहानियों के आधार पर छात्र को शैलीगत एवं विधागत अध्ययन का ज्ञान होता है।

CO4 स्ववृत्त लेखन और मुहावरे एवं लोकोक्तियों की सैद्धातिक प्रक्रिया से छात्र अवगत हो जाते हैं ।

Unit	Details	Lectures
I	1.1 जैसे उनके दिन फिरे – हरिशंकर परसाई 1.2 जाह्नवी – जैनेन्द्र 1.3 सिलिया – सुशीला टाकभौरे	[12]
II	2.1 बिगडेल बच्चे – मनीषा कुलश्रेष्ठ 2.2 सिंहवाहिनी – राजेंद्र यादव 2.3 चलते चलते थक गए पैर-- गोपालदास सक्सेना "नीरज"	[12]
III	3.1 गाँव पर माँ – रमेश सोनी 3.2 नींव की ईंट हो तुम दीदी – उदय प्रकाश 3.3 संयुक्त परिवार – राजेश जोशी 3.4 चुनौती – डॉ. उषा यादव	[12]
IV	4.1 स्ववृत्त लेखन: स्ववृत्त का स्वरूप, स्ववृत्त की विशेषताएँ, स्ववृत्त का प्रस्तुतिकरण 4.2 मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ का संकलन	[12]

Books-

1. कथाधारा – संपा. डॉ. अनिता नेरे, डॉ. अशोक धुलधुले, जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

2. काव्यायन – संपा. डॉ. सुभाष तलेकर, डॉ. सुरेश साळुंखे, जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

3. हिंदी रूप रचना - संपा. आ. जयेंद्र त्रिवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. कथाविवेचना और गद्यशिल्प – डॉ, रामविलास शर्मा

5. कविता के नए प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह

S.Y. B.A. Semester IV

Subject: हिंदी
SEC 2B - Value/Skill Based Paper (HIN2404): Paper title प्रयोजनमूलक हिंदी-II

[Credits-2]

Course Outcomes
At the end of this course, students will be able to

CO1 छात्र अनुवाद के प्रकार को समझता है |

CO2 छात्र प्रकारानुसार अनुवाद करने लगता है|

CO3 अनुवाद प्रक्रिया की समझ छात्र में आ जाती है |

CO4 छात्र दो भिन्न भाषाओँ में अनुवाद करने लगता है|

Unit	Details	Lectures
I	अनुवाद के प्रकार- शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद अनुवाद प्रक्रिया – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन	12

Books-

1. अनुवाद के भाषिक पक्ष- विभा गुप्ता

2. अनुवाद की रुपरेखा- डॉ. सुरेशकुमार

3. अनुवाद कला – डॉ. भोलानाथ तिवारी

4. प्रयोजनमूलक हिंदी- प्रो. माधव सोनटक्के

5. प्रयोजनमूलक हिंदी और कार्यालयीन हिंदी- कृष्णकुमार गोस्वामी